नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के संकेत

चीनी विदेश मंत्री की हालिया भारत यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में जमी बर्फ पिघलाने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है. लद्दाख की पहाड़ियों से लेकर ब्रह्मपुत्र के जल तक और वैश्विक मंचों से लेकर व्यापारिक गलियारों तक,दोनों देशों ने अनेक मुद्दों पर बातचीत की और समझौते किए. लेकिन सवाल यह है कि क्या ये सहमतियां स्थायी विश्वास और व्यवहारिक सुधार में बदल पाएंगी? इनमें सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमा विवाद है.

दरअसल, निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने की सहमति अपने आप में एक सकारात्मक संकेत है. डब्ल्यूएमसीसी के तहत विशेषज्ञ समूह और कार्यकारी समूह की स्थापना बताती है कि दोनों पक्ष धीरे-धीरे संरचनात्मक संवाद की ओर बढ़ना चाहते हैं. परंतु अनुभव बताता है कि वास्तविक प्रगति तभी होगी जब जमीनी स्तर पर शांति और स्थिरता सुनिश्चित हो. गश्ती दलों के बीच टकराव या अधूरी सहमति से इस प्रक्रिया की नींव कभी भी डगमगा सकती है. बहरहाल, व्यापार और आर्थिक सहयोग की दिशा में उठाए गए कदम अधिक उल्लेखनीय हैं. लिपुलेख, शिपकी ला और नाथू ला के जरिए सीमा व्यापार का फिर से आरंभ होना न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि विश्वास बहाली के लिए भी महत्वपूर्ण है. भारत-चीन व्यापार संबंधों में आज भी भारी असंतुलन है. इस संदर्भ में निवेश प्रवाह और संवाद तंत्र को पुनर्जीवित करना जरूरी है, ताकि आर्थिक साझेदारी केवल आंकड़ों तक सीमित न रहकर समानता और पारदर्शिता पर आधारित हो. लोगों से लोगों के संपर्क बढ़ाने पर सहमति,सीधी उड़ानें, वीज़ा प्रक्रिया में सुगमता, और कैलाश-मानसरोवर यात्रा का विस्तार, सांस्कृतिक और धार्मिक जुड़ाव को मजबूती देगा. यह वह क्षेत्र है जहां राजनीति की कठोरता को समाज और संस्कृति की गर्माहट से संतुलित किया जा सकता है. नदी जल डेटा साझा करने का मुद्दा भी विशेष ध्यान देने योग्य है. ब्रह्मपुत्र पर चीन के मेगा बांध भारत के लिए चिंता का विषय रहे हैं. आपात स्थितियों में मानवीय आधार पर जल डेटा साझा करने का चीनी आश्वासन स्वागत योग्य है, परंतु इसे कानूनी ढांचे और नियमित आदान-प्रदान के रूप में संस्थागत करना होगा.

भारत ने आतंकवाद के खतरे और चीन-पाकिस्तान समीकरण पर अपनी चिंता स्पष्ट की. यह संदेश साफ है कि भारत किसी भी साझेदारी को तभी गंभीरता से लेगा जब राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के मुद्दों पर चीन पारदर्शी रुख अपनाए.

निस्संदेह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी विदेश मंत्री की मुलाकात तथा एसीओ सम्मेलन में भागीदारी का आश्वासन यह संकेत देता है कि दोनों देश संवाद से दूर नहीं भागना चाहते. लेकिन इस संवाद का वास्तविक परीक्षण सीमा की बर्फीली चौकियों, ब्रह्मपुत्र के जल और व्यापार संतुलन की कसौटी पर होगा. कुल मिलाकर, भारत-चीन संबंधों में यह यात्रा एक नया अध्याय खोलने का अवसर है. समझौते स्वागत योग्य हैं, लेकिन इतिहास ने सिखाया है कि कागज़ी वादों से अधिक अहम जमीनी भरोसा और दीर्घकालिक पारदर्शिता होती है. भारत को सतर्क रहते हुए इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा,न तो अति-आशावाद के साथ और न ही अविश्वास की जकड़न में.

विकसित भारत के लिए मोदी का टास्क फोर्स

हरदीप एस पुरी

> महत्वाकांक्षा को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है—इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्टम को नया रूप देने के लिए बनाया गया है. इसका अधिदेश जितना साहसिक है, उतना ही लंबे अर्से से अपेक्षित भी है- हमारे स्टार्टअप्स और एमएसएमई पर बोझ डालने वाली अनुपालन लागत में कटौती करना, उद्यमों को निरंतर मनमानी कार्रवाई की छाया में रहने से छुटकारा दिलाना, तथा जटिल कानूनों को सरल, पूर्वानुमानित और व्यवस्थित ढांचे में ढालना. 15 अगस्त को घोषित सुधार, केवल अगले दिन की सुर्खियों के लिए नहीं, बल्कि 2047 के भारत से संबंधित हैं. जैसा कि प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया, दुनिया एक प्राचीन सभ्यता को - अपनी जड़ों को त्यागकर नहीं, बल्कि उनसे शक्ति प्राप्त करके आधुनिक शक्ति में तब्दील होते हुए देख रही है.

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था. इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित- ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया.

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्याप्त असामान्य उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है. यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे— साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों —और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्र इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा.

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तरदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्च, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है. ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है.

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमज़ोरी रही है. दशकों तक, झिझक और 'नो गो' क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी. वह दौर अब बीत चुका है. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में 'नो गो' क्षेत्रों को लगभग 99त्न तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है. ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है—हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे.

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है. इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है. पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है.

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है. लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा. ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्टम का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी. यह आज़ादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है.

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनकर उभरा है. भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है. जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है.

-लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं.

दिल्ली डायरी

उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के सहारे दक्षिण साधने में जुटे दोनों समूह

प्रवेश कुमार मिश्र

उपराष्ट्रपति चुनाव में राजग और इंडिया समूह द्वारा दक्षिण भारतीय राजनीति को केन्द्र में रखकर न सिर्फ उम्मीदवार का चयन किए हैं बल्कि दक्षिण व उत्तर के बीच बढ़ती दूरियों को कम करने की कोशिश की गई है. चर्चा है कि राजग द्वारा जहां एक तरफ तमिलनाडु की सत्ताधारी पार्टी डीएमके के सामने तमिल अस्मिता को आगे रखकर चुनाव में वोट देने को बाध्य करने की रणनीति बनाई गई है वहीं दूसरी ओर इंडिया समूह द्वारा संयुक्त आंध्र प्रदेश यानी मौजूदा आंध्र व तेलंगाना की राजनीति को साधते हुए टीडीपी जैसे दल के सामने भी क्षेत्रीय अस्तित्व को बचाने के क्षेत्र विशेष से संबंध रखने वाले उम्मीदवार का सीधे विरोध नहीं करने को बाध्य किया गया है. हालांकि इन सबके बावजूद जो दिख रहा है उससे साफ है कि लड़ाई आरंभिक दिनों से ही राजग उम्मीदवार के पक्ष में है.

चुनाव आयोग व राहुल गांधी आमने-सामने

वोट चोरी के आरोप के सहारे कांग्रेस नेता राहुल गांधी जहां एक तरफ चुनाव आयोग पर सीधा हमला करते हुए मौजूदा सरकार को कटघरे में खड़ा करने के प्रयास में जुटे हैं वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग ने संभवत: पहली बार आक्रामकता के साथ आरोपों का बिंदूवार जवाब देकर राहुल गांधी के सामने हलफनामा या माफी की शर्त रखकर हलचल मचा दिया है. पक्ष व विपक्ष के अपने अपने तर्क के बीच संवैधानिक संस्था पर लगाए गए आरोपों को लेकर दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में खुब चर्चा हो रही है.

जहां एक तरफ कुछ स्वंयसेवी संस्थाएं राहुल गांधी के राजनीतिक प्रयोग को उचित मान रहे हैं वहीं दूसरी ओर ज्यादातर राजनेता व विचारक इसे गैरवाजिब मान रहे हैं. कांग्रेस के भी कुछ नेता इस तरह चुनाव आयोग पर हमलावर होने की रणनीति को बेहतर नहीं मान रहे हैं. उनका तर्क है कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमले से अविश्वास का माहौल बनेगा और इसका खामियाजा किसी अन्य से पहले राजनीतिक दलों को ही भुगतना पड़ेगा.

आरएसएस की तारीफ पर राजनीति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सौ वर्षों से लगातार किए जा रहे सेवा भावना की तारीफ किए जाने के बाद राजनीति आरंभ हो गई.कांग्रेस पार्टी ने इस कदम को संघ को खुश करने की हताश कोशिश बताया है. कांग्रेस नेताओं ने मोदी के इस क़दम को स्वतंत्रता संग्राम की भावना का अपमान और इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का प्रयास क़रार दिया. हालांकि दिल्ली की राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि संघ व भाजपा के बीच चल रहे कथित मतभेद को दूर करने का मोदी द्वारा अभूतपूर्व प्रयास किया गया है. कहा जा रहा है कि इस प्रयास के बाद जल्द ही संघ की ओर से भाजपा के नए अध्यक्ष के नाम पर सहमति बन जाएगी.

वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से बिहार में पांव जमाने का प्रयास

वोट अधिकार यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी इन दिनों बिहार में अपनी राजनीतिक पांव जमाने के प्रयास में जुटे हैं. चर्चा है कि कर्नाटक में भारत जोड़ो यात्रा के सफल प्रयोग को ध्यान में रखते हुए वोट अधिकार यात्रा निकालने की योजना बनाई गई है. हालांकि राहुल गांधी इस यात्रा को लेकर कहा जा रहा है कि यह हड़बड़ी में लिया गया निर्णय है क्योंकि जिस एस आई आर के माध्यम से वोट चोरी की बात हो रही है उसकी प्रक्रिया अभी समाप्त नहीं हुई है बल्कि सुधार की प्रक्रिया जारी है फिर भी एक सोची-समझी रणनीति के जनता के बीच तेजस्वी यादव को अपने साथ जोड़कर राहुल गांधी माहौल बनाने में जुटे हैं.

देश को मिलनी चाहिए थी और ऊंची क्रेडिट रेटिंग

लगभग 2 दशक बाद वैश्विक रेटिंग एजेंसी एस एंड पी ने भारत की क्रेडिट रेटिंग बीबीबी माइनस से ऊपर उठाकर बीबीबी कर दी. इसने भारत को श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली इकोनॉमी माना है तथा वित्त वर्ष 2022 से 2024 तक की भारत की 8.8 प्रतिशत जीडीपी विकास दर की सराहना की. इससे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का यह दावा तार-तार हो गया है कि भारत एक मृत अर्थव्यवस्था है. वास्तव में एस एंड पी ने भारत को अभी भी काफी कम रेटिंग दी है क्योंकि कोरोना काल के बाद की मौद्रिक अनिश्चितता तथा रूस-यूक्रेन युद्ध व पश्चिम एशिया के संघर्ष के बावजूद भारत ने जो 8.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है, वह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सर्वाधिक है. वित्तीय मजबूती की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदम तथा बेहतर गुणवत्ता के खर्च को देखते हुए रेटिंग एजेंसी ने भारत की इकोनॉमी को पॉजिटिव माना है. एस एंड पी को उम्मीद है कि अमेरिका के टैरिफ लादने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था खुद को संभाल लेगी और अगले 3 वर्षों तक विकास दर 6.8 प्रतिशत बनी रहेगी. रेटिंग एजेंसी ने अपने आकलन में कंजूसी बरती. भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार स्थाई वित्तीय प्रणाली है. भारत अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्व पूरे करने में सदैव आगे रहता है पिछले 3 केंद्रीय बजट में भारत ने अपने लक्ष्य हासिल करते हुए बेहतर कामकाज का प्रदर्शन किया है. कोविड के बाद फिर से भारत ने जीडीपी में वृद्धि दर हासिल कर दिखाई. भारत में सरकारी खर्च और जीडीपी के बीच 83 प्रतिशत का अनुपात या रेश्यो है. इसके विपरीत अमेरिका में यह रेश्यो 124 प्रतिशत, फ्रांस में 110 प्रतिशत, यूके में 96 प्रतिशत और जापान में 230 प्रतिशत से अधिक है. फिर भी इन प्रगत अर्थव्यवस्थाओं को उच्च निवेश ग्रेडिंग हासिल है. अमेरिका में कोविड से पहले फेडरल डेट (संघीय कर्ज) 27.9 खरब डॉलर था जो अब बढ़कर 37 अरब डॉलर हो चुका है. इतने पर वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका को एए प्लस की ऊंची रेटिंग दे रखी है.

एम.पी. मिश्रा

निशानेबाज

गाना गाने पर सस्पेंड तहसीलदार, सरकारी अनुशासन का प्रहार

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, महाराष्ट्र के लातूर में तालुका मजिस्ट्रेट (तहसीलदार) प्रशांत थोरात का तबादला होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया. उस समय सरकारी नियमों का बंधन और अनुशासन भूलकर प्रशांत सरकारी कुर्सी पर बैठकर जिंदादिली के साथ अमिताभ बच्चन की पुरानी फिल्म याराना का गाना यारा तेरी यारी को गाने लगे. वहां मौजूद लोग तालियां भी बजाने लगे. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. इसका पता चलने पर नांदेड के कलेक्टर ने उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जिसमें कहा गया कि थोरात के आचरण से प्रशासन की छवि धूमिल हुई है. थोरात को इसी बात पर सस्पेंड कर दिया गया.

हमने कहा, इस मामले से सबक मिलता है कि गला सुरीला होने के बावजूद सरकारी अधिकारियों को ऑफिस की सरकारी कुर्सी पर बैठकर गाना नहीं चाहिए. वह बाथरूम में गाएं या घर में परिवारजनों के सामने गाएं लेकिन ऑफीशियल कैपेसिटी में गंभीर बने रहना चाहिए.

प्रशासन में कितने ही कलेक्टर, कमिश्नर, सेक्रेटरी होंगे जो मुकेश, रफी, किशोर कुमार, हेमंत कुमार, मन्ना डे की आवाज में गाते होंगे. उन्हें अपनी उमंग या शौक को मारकर गाने या गुनगुनाने से परहेज रखना पड़ता होगा. किसी प्राइवेट फंक्शन या क्लब में आग्रह करने पर वह गाएं तो चलेगा लेकिन सरकारी कुर्सी इसकी इजाजत नहीं देती. यह नहीं चलेगा कि मन में आया तो कहीं भी गाने लगे! जजों और न्यायिक अधिकारियों को तो पथरीला चेहरा या स्टोन फेस बनाए रखना पड़ता है ताकि कड़क दिखें.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, तहसीलदार ने अपने मित्रों व हितैषियों से अपनापन जताते हुए यारा तेरी यारी को गाया. वो चाहते तो यारी दोस्ती निभाते हुए और भी कितने ही गीत गा सकते थे जैसे कि यारी है ईमान मेरा, यार मेरी जिंदगी! खुश रहना मेरे यार! यार दिलदार तुझे कैसा चाहिए, प्यार चाहिए कि पैसा चाहिए. जहां चार यार मिल जाएं वहीं रात को गुलजार ! यारा ओ यारा, इश्क का मारा, मैं बेनाम हो गया. चल यार धक्का मार, बंद है मोटर कार! जिंदगी में संगीत को निकाल दो क्या बचेगा?

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11999

- डॉ. सागर खादीवाला

बाएं से दाएं

1. गौतम बुद्ध के पिता का नाम 5. बेरोक, स्वच्छंद (सं.) 6. राजाधिराज 7. काम, कार्य, बटनहोल 8. विशेषता, निजी स्वभाव 9. लाज (उर्दू) 10. अर्ध, दो समान भागों में से एक 11. तपस्वी, तपस्या करने वाला 12. कुर्बानी 13. शक्ति, ताकत 14. दूसरा वेद 16. बातचीत का बनावटी ढंग 17. आकाश, आसमान

ऊपर से नीचे

1. पवित्रता (सं.) 2. युधिष्ठिर 3. ढेर, जमाव 4. बांटना 5. असगंध नामक बूटी जो दवा के काम आती है 7. क्रांतिकारी परिवर्तन, एक शरीर या रूप का दूसरे शरीर या रूप में पलटना 8. फूल जैसे कोमल और मृदुल अंगों वाला (वाली), एक रेशमी कपड़ा (उर्दू) 9. निर्बल, कमजोर, निराश 10. घर, मकान 15. अपराध (उर्दू)

Solution 11998

नि	■	गु	ल	कं	द	■	घं
शा	दी	■	ता	जा	■	पा	टी
■	वा	दा	■	■	दाँ	त	■
गु	र	■	सा	ला	■	क	टु
स्सा	■	वि	फ	ल	ता	■	क
■	हू	क	■	■	क	र्म	■
खो	■	ल	ट	क	ना	■	पा
ना	ता	■	प	द	■	धा	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अनावश्यक वाद विवाद होगा. मन में तनाव रह सकता है. व्यर्थ चिन्ताओं से कार्य में व्यवधान आयेगा. व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी. आकस्मिक क्रोध की स्थिति बन सकती है. शुभ समाचार प्राप्त होने का योग है. वर्ष के अन्त में नये स्त्रोतों मेंवृद्धि होगी. रूके कार्यो में गति आयेगी. धार्मिक कार्यो में व्यय होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को आय के नवीन स्त्रातों में वृद्धि होगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का अधिकारी के सहयोग से लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को अनावश्यक विवादहो सकता है. सिंह राशि के व्यक्तियों के रूके कार्यो में गति आयेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शुभ समाचार मिलेगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ का वाद विवाद से मुक्ति मिलेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को भागदौड़ अधिक होगी. अत्याधिक क्रोध की स्थिति न आने दें.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य, सुन्दर, हष्टपुट मिलनसार होगा. इसके मित्रों की संख्या सीमित होगी. खेलों के प्रति रूचि रखने वाला, न्यायप्रिय होगा. किसी विशेष विद्या का ज्ञाता होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

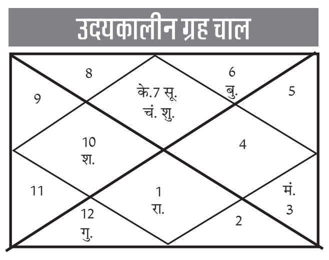

पंचांग

रा.मि. 30 संवत् 2082 भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी गुरूवासरे दिन 12/36, पुष्य नक्षत्रे रात 1/6, व्यतिपात योगे शाम 6/12, वणिज करणे सू.उ. 5/36 सू.अ. 6/24, चन्द्रचार कर्क, पर्व- मासशिवरात्रि व्रत, शु.रा. 4,6,7,10,11,2 अ.रा. 5,8,9,12,1,3 शुभांक- 6,8,2.

मेष- आवेश के बजाय नरमाई से काम लें, जल्दबाजी में कोई निर्णय न करें. जमीन जायजाद के कार्यो में विलंब होगा. अनावश्यक विवादों को टालना हितकर रहेगा.

वृषभ- कोर्ट कचहरी के मामलों में दूर रहें. सामाजिक प्रतिष्ठा तथा लाभदायक काम बनेंगे. मित्रता उपयोगी सिद्ध होगी. मनोंरंजन के अवसर मिलेंगे.

मिथुन- भावी लाभ की दृष्टि से नई योजना में निवेश कर सकते है. कैरियर की अनदेखी न करें. लाभदायक स्त्रातों का विस्तार होगा. नये कार्य को टालना हितकर रहेगा.

कर्क- महत्वपूर्ण लाभदायक प्रस्ताव हाथ से निकल सकते है. भूमि भवन संबंधी मामले सुलझेंगे. कार्यो में मनोंवाछित सफ्लता मिलेगी. रूका हुआ पैसा प्राप्त हो सकता है.

सिंह- आर्थिक स्थिति में उतार चढाव होने से महत्वपूर्ण फैसला लेने में देरी होगी. आपके बने बनाये कार्य अचानक रूक सकते है, जिससे मानसिक पीड़ा होगी.

कन्या- भावनात्मक संबंधों को लेकर असमंजस्य रहेगा. जरूरत मंदों की मदद करने से नवीन अनुबंधों पर विचार विमर्श होगा. दूर दराज की यात्रा होगी.

तुला- कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे. लेनदेन में सावधानी रखें. अधिकारियों से अनुबंधों का लाभ मिलेगा. परिश्रम तथा भागदौड़ की अधिकता रहेगी.

वृश्चिक- युवावर्ग वैवाहिक चर्चाओं से उत्साहित रहेंगे. रिश्ते मजबूत होंगे. आपके व्यापार व्यवसाय तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. अनावश्यक परिश्रम करना होगा.

धनु- स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से छुटकारा मिलेगा. सोच विचार कर निर्णय करें. नौकरी में कार्यो में अधिकता रहेगी. व्यापारिक क्षेत्र में यथेष्ठ सफ्लता के योग है.

मकर- जल्दबाजी के बजाय सोच विचार कर निर्णय करें. नौकरी में प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा. धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी. व्यापारिक यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है.

कुम्भ- बड़ी सौदा करने के लिये छोटी बातों को नजरअंदाज करना पड़ेगा, आपकी बुद्धिमानी तथा सूझबूझ से बिगडे काम बन जायेंगे. परिश्रम अधिक रहेगा.

मीन- लोगों के साथ तालमेल बैठाकर चलने का प्रयास करें, कार्यो में आशातीत सफ्लता के योग प्रबल है. महत्वपूर्ण प्रयासों में सफ्लता मिलेगी.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, रूई, कपास, सूत, खल, बिनौला, सन, सरसों, अरंडी, मूॅगफ्ली, तेल, घी, में मंदी की चाल चलेगी. गेहूॅ, चना, गुड, खांड, जायफ्ल, हल्दी के भाव में तेजी होकर नरमी का रूख रहेगा. भाग्यांक 2489 है.

SUDOKU 7131

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7130

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2